ये अव्यक्त इशारे

# संस्कार मिलन की रास करो

***13-04-2024***

जितना आपस में संस्कारों को समानता में लायेंगे उतना ही समीप आयेंगे। जैसे साकार रूप के संस्कार उपराम और साक्षी दृष्टा के रहे, यही साकार के सम्पूर्ण स्थिति के श्रेष्ठ लक्षण थे। इन संस्कारों में समानता लानी है। इससे ही सर्व के दिलों पर विजयी होंगे और जो संगम पर सर्व के दिलों पर विजयी बनता है वही भविष्य में विश्व महाराजन् बनता है।

## Perform the dance of harmonising sanskars.

The more you harmonise your sanskars, the closer you will become. In the sakar form, you saw the sanskars of remaining beyond and a detached observer. Those were the elevated qualifications of the stage of perfection of the sakar form. Make your sanskars the same as those. It is through this that you will become victorious over the heart of everyone for those who win the hearts of others at the confluence age will become world emperors.